ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त Accredited with 'A' Grade by NAAC

कादर नवाज़ ख़ान
कुलसचिव
Kadar Nawaz Khan
Registrar

दूरभाष/Phone : +91-7152-230902
फैक्स/Fax: + 91-7152-247602

क्रमांक : 003/2003/का.आ./02–46/2017
दिनांक : **22**.09.2017

सूचना

विश्वविद्यालय के समस्त अध्यापकों से अनुरोध है कि राष्ट्रीय सह प्रमुख (शैक्षिक प्रकोष्ठ) भारतीय शिक्षण मंडल से ईमेल द्वारा प्राप्त पत्र (संलग्न) पर विचार करें और उल्लिखित बिंदुओं की दृष्टि से आपको जो करणीय लगे वह समयानुसार करें।

इसे सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार जारी किया जाता है।

कादर नवाज़
(कुलसचिव)
22/09/17

प्रति :
समस्त अध्यापक गण (ईमेल द्वारा)

संलग्न : भारतीय शिक्षण मंडल से प्राप्त ईमेल

प्रतिलिपि,
1. कुलपति कार्यालय
2. प्रतिकुलपति कार्यालय
3. विश्वविद्यालय वेबसाइट,
4. संबंधित पत्रावली

Gmail

Registrar MGAHV <registrar.mgahv@gmail.com>

भारतीय शिक्षण मंडल का पाठ्यक्रम एवं शिक्षा पद्धति के पुनर्निमाण हेतु आहवान ।

Tue, Sep 12, 2017 at 2:02 AM

shaikshik@bsmbharat.org <shaikshik@bsmbharat.org>
Reply-To: shaikshik@bsmbharat.org
To: atssherikar@hotmail.com, svd123@rediffmail.com, mafsul@hotmail.com, muhsvc@hotmail.com, vc@muhsnashik.com, registrar@muhnashik.com, vcoffice@muhnashik.com, "registrar@hindivishwa.org <" <ggopinathan@hindivishwa.org>, hindiuni_wda@sancharnet.in, vcmgcgv@rediffmail.com, hindiunv@nda.vsnl.net.in, mgu@md2.vsnl.net.in, vc_mgu@yahoo.com, professorkatta@gmail.com

आदरणीय कुलपति महोदय जी,

सादर प्रणाम !

भारतीय शिक्षण मंडल ने सन 1 9 6 9 में शैक्षणिक क्षेत्र में जागरूकता, देशभक्ति और राष्ट्रवाद के दृष्टिकोण अपना कार्य प्रारंभ किया। शिक्षण मंडल भारत के 22 राज्यों और 220 जिलों में सार्वभौमिक सिद्धांतों के आधार पर काम कर रहा है। भारतीय शिक्षण मंडल राष्ट्रीय उत्थान के लिए 'भारतीयता' के साथ भारतीय शिक्षा के विषय पर करने वाला संघठन है। शिक्षण मंडल का मुख्य उद्देश्य गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित एक शिक्षा प्रणाली तैयार करना जो विद्यार्थी के संपूर्ण ज्ञान का भी मूल्यांकन करे। भारतीय शिक्षण मंडल ने इस उद्देश्य के लिए एक पांच आयाम प्रारूप विकसित किया है - अनुसंधान, प्रबोधन , स्वाध्याय, प्रकाशन और संगठन ।

भारतीय शिक्षण मंडल, शैक्षिक प्रकोष्ठ पाठ्यक्रम एवं शिक्षण पद्धति में भारतीयता के समावेश हेतु इस वर्ष से नवीन पाठ्यक्रमों का निर्माण तथा विषयानुकूल अध्यापन पद्धति के विकास पर कार्य प्रारंभ कर रहा है।

माननीय कुलपति
1409

ध्येयः- पाठ्यक्रम एवं शिक्षण पद्धति का निर्माण इस प्रकार से हो कि जिससे विद्यार्थी का समग्र व्यक्तित्व विकास एवं राष्ट्रीय एकता के साथ उसका भावनात्मक जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके। सत्व एवं रजस की उसके जीवन में प्रधानता रहे, निष्काम भाव से किये जाने वाले कर्म के महत्व को समझकर एक कर्मयोगी के रूप में अपने समस्त कर्तव्यो का निर्वहन कर सके। 16 विद्याओ एवं 64 कलाओं में से कम से कम एक विद्या व एक कला पर उसका अधिपत्य हो , शास्त्रीय एवं मौलिक, विजिक्षु दृष्टिकोण हो , विश्वबंधुत्व के भाव से संपूर्ण विश्व को आच्छादित करने का जिसमें सामर्थ्य हो , अभय के साथ पूर्णता अथवा शून्य की ओर उन्मुख हो कर आने वाले युग का पथ प्रदर्शक बन सके। स्वामी विवेकानंद के शब्दों में "मनुष्य, मनुष्य मात्र हमें चाहिये", इन्हीं मनुष्यों का निर्माण हमें पाठ्यक्रम एवं शिक्षण पद्धति द्वारा करना है। यही शैक्षिक प्रकोष्ठ का ध्येय है।

प्रथम चरण में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर निम्न विषयों के पाठ्यक्रमों का निर्माण करना हैः-

1.इतिहास 2.समाजशास्त्र 3. दर्शनशास्त्र 4. राजनैतिकशास्त्र 5. मनोविग्यान 6. अर्थशास्त्र 7. लोक प्रशासन 8. अंतर्राष्ट्रीय संबंध 9. व्यूहरचनात्मक अध्ययन 10. शिक्षा एवं शिक्षण पद्धतियां 11. मानव कर्तव्य एवं अधिकार 12. भुगोल 13. हिन्दी साहित्य 14. अंग्रेजी साहित्य 15. संस्कृत साहित्य 16. क्षेत्रीय साहित्य 17. नाट्यकला 18. नृत्यकला 19. संगीत एवं गायन 20. चित्रकला 21.खगोलशास्त्र 22. रसायन शास्त्र 23. भौतिक शास्त्र 24. गणित 25. तकनिकी का भरतीय इतिहास 26. कम्प्यूटर प्रोग्राम में संस्कृत 27. नृशास्त्र 28. खाद्य विग्यान 29. गृह विग्यान 30. कृषि शास्त्र 31. पर्यावरण विग्यान 32. शोध पद्धति 33. पर्यटन 34. आपदा प्रबंधन 35. सेवा प्रबंधन 36. उध्यमिता विकास 37. पत्रकारिता एवं संचार 38. वित्तीय प्रबंधन 39. नैतिक शास्त्र 40. स्थापत्य एवं वास्तु कला 41.वनस्पति शास्त्र 42.प्राणी शास्त्र 43. विधि

प्रशा./प्र.आ. क्र....2390....
पि. लि. नं....6038....
दिनांक....13.09.17....

इसी राष्ट्रीय कार्य में आहुति देने हेतु शैक्षिक प्रकोष्ठ विशेषज्ञों का आव्हान करता है। आपसे निवेदन है की भारतीय शिक्षा पद्धति एवं पाठ्यक्रम के पुनरुत्थान हेतु आपके अमूल्य विचार, सुझाव एवं पाठ्यक्रम (संदर्भ सहित) दिनांक 19 अक्टूबर 2017

(दीपावली) तक ई-मेल द्वारा भेजने का कष्ट करें।

इस कार्य हेतु निम्न बिन्दुओं पर विचार किया जा सकता है:-

1. विद्यार्थी को पुस्तकीय ज्ञान के साथ साथ अनुभूती जन्य ज्ञान कैसे दिया जा सकता है?
2. विद्यार्थी में राष्ट्रीय स्वाभिमान का जागरण कैसे हो सकता है ? अध्यापन में भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश कैसे हो सकता है ? उसी के अनुरूप पाठ्यक्रम का निर्माण कैसे हो ?
3. विषयों के चयन में जिस प्रकार विद्यार्थी को विकल्प दिए जाते है, उसी प्रकार से परीक्षा पद्धति में भी विकल्प किस प्रकार दिए जा सकते है ? उदाहरण स्वरुप राजनैतिक विज्ञान की परीक्षा एवं गणित की परीक्षा एक ही तरीके से होती है, यह न तो विद्यार्थी के साथ न्याय है न ही विषय के साथ।
4. विषय तो बहुत हैं पर उनके अध्यापन का तरीका लगभग एक जैसा है। विषयानूरूप अध्यापन पद्धति कैसी हो?
5. सिद्धांतो के व्यावहारिक अनुप्रयोग के शिक्षण की व्यवस्था किस प्रकार से की जा सकती है ?

भारतीय शिक्षा में परिवर्तन हेतु शिक्षकों का सहयोग परम आवश्यक है। इस राष्ट्रीय कार्य में आपकी एवं आपके विश्वविद्यालय के विद्वान् आचार्यों की सक्रीय सहभागिता की हम आशा करते है, अतः आपश्री से विनम्र अनुरोध है की विश्वविद्यालय के समस्त आचार्यों को इस प्रकल्प से अवगत करावे ताकि उनसभी के सुझावों से एक सुदृड शिक्षा व्यवस्था का निर्माण किया जा सके। इस हेतु हिंदी, अंग्रेजी अथवा किसी अन्य भारतीय भाषा में (shaikshik@bsmbharat.org) पर विचार भेज सकते हैं।

धन्योस्मी!

भवदीय
डॉ. अमित कुमार दशोरा
राष्ट्रीय सह प्रमुख (शैक्षिक प्रकोष्ठ)
भारतीय शिक्षण मंडल
9882547048
shaikshik@bsmbharat.org

www.bsmbharat.org